तापमान
अधिकतम 16.0 डिग्री
न्यूनतम 7.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

10 परिक्रमा मार्ग पर चलना जोखिम भरा, बच्चे तालाब..

10 अध्यापकों को निरंतर सीखने और सकारात्मक सोच को....

खबर संक्षेप

अवैध पिस्तौल के साथ एक आरोपित दबोचा

जींद। एंटी व्हीकल थेफ्ट पुलिस स्टाफ ने गांव राजगढ़ के निकट एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल बरामद किया है। जुलाना थाना पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है। एंटी व्हीकल स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव राजगढ़ के निकट एक युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है। जो कहीं जाने की फिराक में है।

चावल कट्टे चोरी करने के मामले में दो आरोपी काबू

कैथल। ट्रक से चावल कट्टे चोरी करने के मामले में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा दो आरोपियों को काबू कर लिया । पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव दोस्तपुर महेंद्रगढ़ निवासी वीरेंद्र की शिकायत अनुसार वह करीब दस सालों से ड्राइवर का कार्य कर रहा है। वह 10 जनवरी को मध्यप्रदेश से ट्रक में एक हजार चावल के कट्टे लोड कर कैथल के लिए निकला था।

जमीन पर कब्जे का प्रयास, पांच नामजद

जींद। गांव खेड़ाखेमावती में जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश करने, पौधे नष्ट करने, बाड़ उखाड़ने पर सदर थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रामराये निवासी राजबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गांव खेड़ा खेमावती में जमीन है। जिसमें उन्होंने पौधे लगाए हुए थे।

प्रताड़ित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

कैथल। राजौंद क्षेत्र के एक गांव की बेटी के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में थाना राजौंद पुलिस की लेडी एचसी रीतु द्वारा पीड़िता के पति गांव मालखेड़ी निवासी जसविंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता द्वारा पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 20 फरवरी 2021 को जसविंद्र उपरोक्त के साथ हुई थी।

हमला कर दो भाइयों को घायल करने पर केस दर्ज

जींद। गांव रायचंदवाला में रंजिशन हमला कर दो भाइयों को घायल करने पर अलेवा थाना पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रायचंदवाला निवासी सोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी सतीश परिवार के साथ रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते सतीश परिवार ने उस पर हमला कर दिया।

शिवांक राष्ट्रीय परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष बने

जींद। राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी संगठन द्वारा शिवांक शर्मा को जींद जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा की गई। शिवांक शर्मा को संगठन की नीतियों व संविधान के अनुरूप कार्य करते हुए ब्राह्मण समाज को संगठित करने, संगठन को मजबूती देने एवं विस्तार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस ने चीका क्षेत्र से सटोरिया दबोचा

कैथल। थाना चीका पुलिस द्वारा एक सटोरिये को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना चीका पुलिस के एचसी राजेश व सिपाही राजीव की टीम को गश्त दौरान एक गुप्त सूचना मिली की पुरानी अनाज मंडी चीका के गेट नं. 1 के पास एक व्यक्ति सट्टा खाईवाली कर रहा है।

निराश्रित बच्चों को दी जा रही वित्तीय सहायता

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा निराश्रित बच्चों को हर माह 2100 रुपये प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है। इस स्कीम में 0 से 21 वर्ष तक की आयु के बच्चें, जो पिता की मृत्यु होने पर सहायता एवं देखभाल से वंचित रह जाते हैं। पिता के 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित पर भी लाभ मिलेगा।

स्वार्थ सिद्धि योग में आज श्रद्धालु पिंडारा तीर्थ में लगाएंगे श्रद्धा की डुबकी

मौनी अमावस्याः स्नान, दान और पितृ तर्पण के लिए विशेष महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

वर्ष 2026 की पहली अमावस्या (मौनी अमावस्या) रविवार को पड़ रही है। धार्मिक मान्याताओं में मौनी अमावस्या को विशेष महत्व दिया गया है। मौनी अमावस्या जहां पितरों को खुश करने के लिए विशेष महत्व रखती है वहीं पितृ दोष भी इसी दिन दूर किया जा सकता है। मौनी अमावस्या के दिन स्नान, दान और पितृ तर्पण के लिए विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर स्नान करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। मकर संक्रांति के बाद माघ मेले का यह दूसरा सबसे बड़ा स्नान पर्व माना जाता है। मौनी अमावस्या की तिथि 18 को रात 12:03 बजे से शुरू होकर 19 जनवरी को रात 1:21 बजे तक रहेगी। स्नान और दान के लिए उदयातिथि मान्य होती है। 18 जनवरी को अमावस्या तिथि में सुबह 7:15 बजे सूर्योदय हो रहा है। जबकि 19 जनवरी को सूर्योदय माघ शुक्ल प्रतिपदा में होगा। इसी कारण मौनी अमावस्या 18 जनवरी रविवार को ही मनाई जाएगी। इसे माघ अमावस्या या माघी अमावस्या भी कहा जाता है। इस वर्ष मौनी अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। जिसे अत्यंत शुभ माना जाता है। इस योग में किए गए सभी कार्य शुभ होते हैं।

जींद। पिंडारा तीर्थ, जहां श्रद्धालु आज श्रद्धा की डुबकी लगाएंगे। *फोटो :हरिभूमि*

वस्त्र-कंबल का दान करें: नवीन

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अमावस्या के दिन पितरों को जल अवश्य अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन पर बना रहता है। इस दिन पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं मौनी अमावस्या के दिन चावल का दान करने का विशेष महत्व रहता है। मान्यता है कि ऐसा करने से सुख व समृद्धि आती है। मौनी अमावस्या के दिन तिल या तिल के लड्डू का भी दान किया जा सकता है। मौनी अमावस्या के दिन वस्त्र और कंबल के दान कर सकते हैं।

पिंडदान विधि

मौनी अमावस्या के दिन सरोवर स्नान करें और इसके बाद सूर्य देव को अघ्य दें। पिंडदान सूर्योदय के दौरान करना शुभ माना जाता है। इसके बाद चौकी पर अपने पूर्वज की तस्वीर रखें। गाय के गोबर, आटा, तिल और जौ आदि से पिंड बनाएं। इसे पितरों को अर्पित करें। अब इसे पवित्र नदी में बहा दें। पिंडदान के दौरान पितरों का ध्यान करें। इसके अलावा पितरों की शांति के लिए मंत्रों का जप करें। वहीं दान व स्नान करने से पितृ दोष के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है। वहीं इस दिन गाय, कुत्ते और कौवे को भोजन अवश्य करवाना चाहिए। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है।

धीरे-धीरे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हो रहा इजाफा

सुबह धुंध-कड़ाके की ठंड और दिन में धूप से आमजन बेहाल

पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज से अगले 5 दिन में बारिश की संभावना

हवा की गति छह किमी प्रति घंटा और मौसम में नमी 91 प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इस समय पिछले पांच दिनों से दिन के समय धूप और सुबह के समय धुंध व कडाके की ठंड ने आमजन को बेहाल कर दिया है। हालांकि अधिकतम और न्यूनम तापमान में वद्धि हुई है लेकिन सुबह व शाम की ठंड लोगों को परेशान किए हुए है। शनिवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान सात डिग्री तक रहा। जबकि पिछले दो दिनों में अधिकतम तापमान 14 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान तीन से चार डिग्री के बीच रहा। हवा की गति छह किलोमीटर प्रति घंटा व मौसम में आद्रता 91 प्रतिशत बनी रही। शनिवार को दिन का आगाज धुंध तथा ठंड के साथ हुआ। दिन चढ़ने के साथ धुंध छंट गई और धूप खिल उठी। हवा की गति तेज तथा ठंडी रही। जिसके चलते मौसम ठिठुरन भरा बना रहा। दिनभर धूप खिली होने के बाद भी ठंड से राहत नही मिल रही है। हालांकि ठंडी हवा से दिनचर्या प्रभावित नही हुई।

जींद। दिन के समय खिली धूप। *फोटो :हरिभूमि*

तापमान में बढ़ोत्तरी से किसान चिंतित

पिछले एक सप्ताह से तापमान में हो रहे इजाफे ने किसानों की चिंता बढाई हुई थी। मौसम साफ बना हुआ था। रात को धुंध भी नही पड़ रही है। जिसका फसलों पर विपरित प्रभाव पड़ने के आसार हैं। जिससे किसान चिंतित हैं। मौसम के शुष्क बने रहने के बाद भी तापमान में वृद्धि हो रही है। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पहाड़ी इलाकों मे हुई बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। जिसके चलते ठंड बढ़ गई है। सुबह के समय धुंध भी देखने को मिली है। जो कि फसलों के लिए फायदेमंद है। अच्छी ग्रोथ मिलेगी। किसान फसलों पर नजर बनाए रखें।

कैथल: सड़कों पर छाई धुंध-कोहरे ने वाहनों के पहियों पर लगाए ब्रेक

कैथल। जिले में ठंड कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दो दिन के बाद मौसम में फिर से धुंध व कोहरा भी बढ़ गया है। शनिवार को कैथल की सड़कों पर घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता कम हो गई। धूप निकलने से दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विभाग अनुसार सोमवार से आगामी 5 दिन तक बारिश की संभावना बनी है, जिससे ठंड में फिर से इजाफा हो सकता है। पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से गिरकर 3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। शनिवार को अधिकतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में हल्की धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली, लेकिन सुबह-शाम की ठंड और कोहरे ने परेशानी बढ़ाई। घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर हाईवे और ग्रामीण इलाकों में सुबह के समय दृश्यता काफी कम रही। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज से अगले 5 दिन में बारिश की संभावना है।

बढ़ती ठंड के चलते शीत-घात से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी

जिला प्रशासन ने भी जिले के लोगों को बढ़ती ठंड के चलते शीत-घात से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी की है। डीसी अपराजिता ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील भी की है। कहा कि शीत-घात से बचने के लिए मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टीवी/समाचार पत्रों से मौसम संबंधित जानकारी लेते रहे। फ्लू, नॉक बहना/ भरी नाक या नाक बंद जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें। ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचे।

जमीन बेचने का झांसा देकर ₹70 लाख ठगे

छह आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

मूंदड़ी में व्यक्ति को जमीन बेचने का झांसा दे 70 लाख की धोखाधड़ी कर ली। मामले में पूंडरी थाना पुलिस ने 6 आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूंडरी थाना पुलिस को दी गई शिकायत में गांव मूंदड़ी निवासी ध्यान सिंह ने बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है और पूंडरी में उसकी करियाना की दुकान भी है। वह उपजाऊ जमीन खरीदने की तलाश में था। 25 जुलाई 2025 को गांव का ही कर्मबीर उसकी दुकान पर आया था। इसी दौरान कर्मबीर के पास गांव सांच निवासी बली सिंह का फोन आया। बली सिंह ने बताया कि जिला करनाल के गांव ब्रास में साढ़े 8 एकड़ जमीन है, जिसमें एक राइस मिल भी लगा है, जो बिकाऊ है। इसके बाद ध्यान सिंह, कर्मबीर और बली सिंह गांव ब्रास पहुंचे। वहां बली सिंह ने बताया कि जमीन का सौदा पूनम के माध्यम से होगा, जो प्रॉपर्टी का काम करती है। बली सिंह ने पूनम को दफ्तर बुलाकर परिचय कराया। पूनम ने बताया कि जमीन के आधे हिस्से में सौदा किया जा सकता है, बाकी हिस्से की पार्टी उनके पास है। अगले दिन सभी लोग पूंडरी में कृष्ण की दुकान पर मिले। वहां बली सिंह, विक्रम, धर्मबीर और पूनम ने जयपाल निवासी ब्रास और उसके बेटे कुलदीप से मिलवाया। इसके बाद जमीन खरीदने के लिए आरोपियों ने उससे 70 लाख ले लिए। 10 से 15 दिन बाद ध्यान सिंह ने पूनम और बली सिंह से जमीन में लगी राइस मिल की एनओसी के बारे में पूछा तो दोनों टालमटोल करने लगे। डीलर विक्रम से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसने भी फोन उठाना बंद कर दिया। राइस मिल 2030 तक लीज पर होने का चला पता। इसके बाद में उसे पता चला कि कुलदीप व उसके पिता जयपाल ने राइस मिल को 31 मार्च 2030 तक लीज पर दे रखा है। इस तरह आरोपियों ने मिलकर उससे 70 लाख रुपये की धोखाधड़ी की।

मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा दे 6.75 लाख हड़पे

जींद। मर्चेंट नेवी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 6.75 लाख हड़पने पर जुलान थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पडाना निवासी अजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव कोहला निवासी नीरज ने उसे बताया कि उसकी मर्चेंट नेवी में अच्छी जान पहचान है। वह उसे नौकरी लगवा देगा। जिसके लिए उसने रुपये की डिमांड की। नौ जून 2024 से 26 अगस्त 2024 तक आरोपित को 7 लाख 75 हजार रुपये दे दिए गए।

नाबालिग से दुराचार व धमकी देने के दोषी को 10 साल कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कोर्ट ने दोषी को 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. चंद्रहास की फास्ट ट्रैक विशेष अदालत ने नाबालिग से दुराचार व धमकी देने के दोषी को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी को 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार सिविल लाइन थाना इलाके की एक किशोरी ने 22 नवंबर 2022 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके मामा का गांव जुलाना थाना इलाके के अंतर्गत आता है। वह अपने मामा के यहां गई हुई थी। लगभग तीन-चार माह पहले वहां के युवक रोहित ने उसके पास मोबाइल नंबर लिखकर उसके पास कागज फैंक दिया था।

जिसके बाद उनका बातचीत का सिलसिला शुरु हो गया। 14 नवंबर को रोहित ने फोन कर धमकी दे उसे रोहतक बुला लिया। जहां पर उसके साथ रोहित ने दुष्कर्म किया और अशील फोटो तथा उसकी वीडियो बना ली। आरोपित ने उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी भी दी थी। महिला थाना पुलिस ने किशोरी की शिकायत पर रोहित के खिलाफ दुष्कर्म, अशील हरकत करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. चंद्रहास की फास्ट ट्रैक विशेष अदालत ने दोषी रोहित को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी को 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है।

नशेड़ी एएसआई ने घर में घुस महिला का हाथ पकड़ा

डायल 112 आने पर फरार, पुलिस अधीक्षक ने आरोपित को किया लाइन हाजिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सदर थाना के तहत आने वाली टेंडरी मोड़ पुलिस चौकी में तैनात एएसआई यशवीर पर एक महिला ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात को शराब के नशे में वह उनके घर में घुस आया और बदतमीजी करने लगा। महिला ने आरोप लगाए कि यशवीर ने उसके व उसकी बहन के हाथ भी पकड़े। जब उन्होंने डायल 112 पर फोन किया तो वह भाग गया। महिला ने इसकी एक वीडियो भी बनाई है। महिला की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने आरोपित एएसआई को लाइन हाजिर कर दिया। सदर थाना के तहत आने वाली एक महिला ने शनिवार को पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह शुक्रवार रात को अपने घर में अपने बेटे का जन्मदिन था। रात को साढ़े 11 बजे यशवीर उनके घर पहुंचा और दरवाजे पर लात मार कर उसे खोल दिया। महिला ने कहा कि यशवीर ने उसका हाथ पकड़ कर उसे दूसरे कमरे में खींचने की कोशिश की। महिला ने आरोप लगाए कि जब उसने विरोध किया तो एएसआई ने उन्हें धमकी दी। उनके घर में उसकी मां, दूसरी बहन, बेटा थे, जो सभी डर से सहम गए। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। इसके बाद यशवीर मौके से फरार हो गया। महिला ने कहा कि घर में उसकी बेटी के साथ भी गाली गलौज की। यशवीर अंदर घर में घुस गया जबकि उसके तीन अन्य साथी बाहर गाड़ी में बैठे थे। महिला ने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है। महिला थाना प्रभारी मोनिका ने बताया कि दो महिलाएं शिकायत लेकर आई हैं। उनकी शिकायत की जांच की जा रही है। पुलिस इस मामले में उचित कार्रवाई कर रही है।

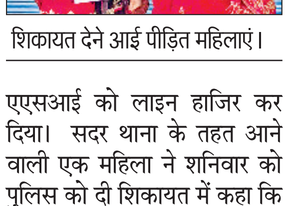

शिकायत देने आई पीड़ित महिलाएं।

मामले की जांच की जाएगी

एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि प्राथमिक कार्रवाई के रूप में एएसआई को लाइन हाजिर कर दिया है। पूरे मामले की जांच की जाएगी। यदि आरोप सही पाए गए तो एफआईआर के साथ.साथ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। एएसआई पर एक महिला ने शराब पीकर जबरदस्ती घर में घुसने के आरोप लगाए हैं।

सुविधा शुक्रवार को पीसीएमई डिंपी गर्ग टीम के साथ दिल्ली से प्लांट के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे

फायर फाइटिंग व साफ-सफाई का कार्य अगले सप्ताह तक संपन्न होने की उम्मीद

प्लांट में तैयार हाइड्रोजन गैस से देश की पहली ट्रेन को चलाया जाएगा

- हाइड्रोजन प्लांट में ठंड के कारण गैस में आ रही नमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाइड्रोजन प्लांट में इस समय फायर फाइटिंग सिस्टम का काम चल रहा है। यह काम एक सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है। हाइड्रोजन प्लांट में शुक्रवार को पीसीएमई (प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर) डिंपी गर्ग टीम के साथ दिल्ली से प्लांट के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कर्मचारियों से हाइड्रोजन प्लांट में आरओ सिस्टम के बारे में भी जानकारी ली थी। कर्मचारियों को निर्देश दिए गए थे कि प्लांट में आरओ सिस्टम में हर रोज टीडीएस की जांच होनी चाहिए। इसके अलावा फायर फाइटिंग सिस्टम को भी एक सप्ताह तक तैयार करने के निर्देश दिए थे। गौरतलब है कि हाइड्रोजन प्लांट में तैयार गैस से ट्रेन को चलाया जाएगा। इस पर अभी टेस्टिंग चल रही है।

एक जनवरी को ट्रेन दिल्ली से सोनीपत पहुंच गई थी। इसके बाद लखनऊ से विशेष कोच में केबल का सामान पहुंचा था। ट्रायल के दौरान काफी खामियां आ रही थी। जिससे आरडब्ल्यूएसओ टीम भी वापस लौट गई थी। ठंड के कारण गैस में नमी आ रही थी। इस कारण गैस को पूरे प्रेशर के साथ भरा नहीं जा रहा था।

पानी की रिपोर्ट जल्द आने की उम्मीद

इसके बाद शुक्रवार को पीसीएमई दिल्ली से अपनी टीम के साथ निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने पानी के टीडीएस की जांच हर रोज करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद आरओ से पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए थे। जिसकी रिपोर्ट भी जल्द आने की उम्मीद है। इसके बाद यह रिपोर्ट पीसीएमई के साथ सांझा की जाएगी ताकि इसके बारे में वे सुधार को लेकर आवश्यक निर्देश दे सकें। वहीं प्लांट में फायर फाइटिंग सिस्टम को भी जल्द पूरा करने व प्लांट में साफ.करने के लिए कहा गया था। फायर फाइटिंग व साफ.-सफाई का कार्य अगले सप्ताह तक पूरा होने की उम्मीद है।

वेश्यावृत्ति के खिलाफ शिकायत देने थाना सिविल लाइन पहुंचे मोहल्ला के लोग।

वेश्यावृत्ति की शिकायत पर कार्रवाई की मांग

कैथल। सुभाष नगर वार्ड नंबर 14 के एक मकान में 2 साल से वेश्यावृत्ति का धंधा लगातार जारी है। जिस मोहल्ले के लोग और महिलाएं बेहद परेशान हैं। गुरुवार की रात बाहर मकान में आई एक लड़की के आशिक ने उसे बेरहमी से पीटा। रात 2:00 बजे उसने चिल्ला चिल्ला कर मोहल्ले वालों से बचने की गुहार की। मोहल्ले के लोग इकट्ठे हुए और लड़की को बचाया। शुक्रवार को कथित युवक मोहल्ले में पहुंचा और लोगों को धमकाने लगा। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने मकान मालिक से शिकायत की। शनिवार को लोगों ने 112 नंबर को कॉल कर घटना की जानकारी दी। मौहल्ला निवासी देशराज ने बताया कि उक्त मकान में 2 साल से नाजायज धंधा चल रहा है। पुलिस को सूचना देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती। शनिवार को पार्षद दीपक शर्मा की अगवाई में लोगों ने मकान मालिक की शिकायत सिविल लाइन थाना में लिखित में दी।

खबर संक्षेप

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कल

जींद। युवा विकास समिति द्वारा 19 जनवरी को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए समिति प्रधान और जिला युवा पुरस्कार विजेता प्रदीप रेढू ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर नगर परिषद चेयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी व हरियाणवी कलाकार अमित बाल्यान शिरकत करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर विनोद जोशी, रामधन गोस्वामी, ओमप्रकाश चौहान, राजेंद्र सोनी, मनीषा बरसाना, राजेश गोस्वामी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनजीत कापडो करेंगे।

महिला से अश्लील हरकत विरोध पर ससुर को पीटा

जींद। गांव घसोखुर्द में घर में घुस कर महिला से अशील हरकत करने तथा विरोध करने पर महिला के ससुर से मारपीट करने पर उचाना थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घसो खुर्द निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के ही ईश्वर ने उसके साथ अशील हरकत की। उसी दौरान मलकीत तथा राजेश भी आ गए। जिन्होंने उसके साथ बदसलूकी की। जब उसके ससुर ने विरोध किया तो आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीनों आरोपितों के खिलाफ मारपीट करने अशील हरकत करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो सगी बहनों समेत तीन युवतियां लापता, केस दर्ज

जींद। जिला में अलग-अलग स्थानों से दो सगी बहनों समेत तीन युवतियों के गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव पेगां निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 15 जनवरी को उसकी 18 तथा 16 वर्षीय बेटिया घर से गायब हो गई। वहीं गांव घोघड़िया निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 17 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने गायब युवतियों को तलाशने तथा पूछताछ करने पर उनका का कोई सुराग नही लगा। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्राओं ने ली सड़क सुरक्षा को लेकर ऑनलाइन शपथ

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के सड़क सुरक्षा क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह 11 जनवरी से 17 जनवरी के तहत सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा थीम 2026 को सफल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए ऑनलाइन शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

छात्रवृत्ति योजना में आवेदन के लिए अंतिम दिन आज

जींद। हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा संचालित विज्ञान शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना 2025-26 है। यह योजना विज्ञान विषयों में अध्ययन कर रहे मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक कदम है। जींद विश्वविद्यालय ईकाई अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि यह छात्रवृत्ति योजना उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने वर्ष 2025 में विज्ञान स्नातक, सांख्यिकी स्नातक, एकीकृत विज्ञान स्नातकोत्तर जैसे बेसिक एवं नेचुरल साइंस पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है।

आम्बेडकर भवन में चला सफाई अभियान

नरवाना। डॉ भीमराव अंबेडकर सभा एवं छात्रावास परिसर में आगामी 22 जनवरी को होने वाले विशाल संत समागम कार्यक्रम को लेकर आज एक बड़ा सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान अम्बेडकर सभा के प्रधान डॉण वीरेंद्र चोपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

परिक्रमा मार्ग पर चलना जोखिम भरा, बच्चों के तालाब में गिरने की आशंका

रानी तालाब बदहाल, श्रद्धालुओं के लिए खतरा, हर रोज पहुंचते है सैकड़ों लोग, फिर भी प्रशासन मौन

- रानी तालाब की टूटी ग्रिलें बनीं श्रद्धालुओं के लिए बड़ा खतरा
- मंदिर में हर रोज श्रद्धालु दर्शन एवं परिक्रमा के लिए आ रहे

हरिभूमि न्यूज. जींद

जींद। रानी तालाब की टूटी ग्रिले, जो श्रद्धालुओं के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकती है। फोटो :हरिभूमि

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने कहा कि जींद के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल रानी तालाब मंदिर के परिक्रमा मार्ग पर लगी कंक्रीट की ग्रिलें कई स्थानों से पूरी तरह से टूट चुकी हैं। जिससे श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा करना खतरे से खाली नहीं रह गया है। हालात इतने गंभीर हैं कि कोई भी बच्चा या बुजुर्ग फिसलकर सीधे रानी तालाब में गिर सकता है जिससे किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। गोयल का कहना है कि रानी तालाब मंदिर में हर रोज श्रद्धालु दर्शन एवं परिक्रमा के लिए आते हैं। खासकर सुबह और सायंकाल के समय महिलाओंए बुजुर्गों और बच्चों की आवाजाही अधिक रहती है। टूटी ग्रिलों के कारण परिक्रमा मार्ग पर चलना जोखिम भरा हो गया है लेकिन अभी तक प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं है। गोयल ने इस गंभीर समस्या को लेकर जींद के डीसी मोहम्मद इमरान रजा का ध्यान आकर्षित करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। गोयल ने कहा कि स्वर्ण मंदिर की तर्ज पर निर्मित रानी तालाब मंदिर के चारों ओर बने परिक्रमा मार्ग की दोनों ओर लगी कंक्रीट की ग्रिलें कई जगह से पूरी तरह से टूट चुकी हैं। यदि समय रहते इनकी मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। गोयल ने जींद के डीसी से मांग की है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टूटी ग्रिलों की तत्काल मरम्मतए कमजोर हिस्सों को मजबूत करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए स्थायी समाधान करवाया जाए।

दो साल पहले टूटी थी ग्रिले

रानी तालाब की ग्रिलों के टूटने का मामला नया नहीं है। दो वर्ष पूर्व भी परिक्रमा मार्ग पर लगी ग्रिलें इसी तरह टूट गई थीं। उस समय भी समाजसेवी राजकुमार गोयल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कई बार मरम्मत की मांग की थी लेकिन लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारियों की अनदेखी के बाद मजबूरन राजकुमार गोयल ने सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद प्रशासन हरकत में आया था और ग्रिलों की मरम्मत करवाई गई थी। अब एक बार फिर वही स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गोयल का कहना है कि यदि इस बार भी समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो सीएम विंडो लगाने पर मजबूर होना पडेगा।

पीडब्ल्यूडी ने बाथरूम स्वास्थ्य विभाग को सौंपे फिर भी मरीज हो रहे परेशान

टूंटी चोरी का खतरा इसलिए नागरिक अस्पताल में नहीं खुल पाए शौचालय

तीन माह से नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद। शौच के लिए परेशान वृद्ध तथा शौचालय पर लगे ताले। फोटो : हरिभूमि

नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में स्थित दोनों शौचालय तैयार होने के बावजूद भी उनके ताले नहीं खुल पाए हैं। पीडब्ल्यूडी ने कागजी कार्रवाई करने के बाद बाथरूम तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के सुपुर्द कर दिए हैं लेकिन अभी भी इन बाथरूम पर ताले लटके हुए हैं। यदि स्वास्थ्य विभाग को इन शौचालयों पर ताले ही लगाने थे तो फिर इनको तैयार क्यों करवाया गया। मरीजों को शौचालय खराब होने से भी परेशानी थी और अब इनके तैयार होने के बावजूद भी परेशानी हो रही है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की मानसिकता पर सवालिया निशान उठ रहे हैं।

पिछले तीन महीने से नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है। जीर्णोद्धार करने वाले ठेकेदार ने यहां दोनों शौचालय को एक साथ तोड़ दिया और वैकल्पिक व्यवस्था तक नहीं की। लगभग दो महीने तक बाथरूम को लेकर पूरा हंगामा मचा।

मरीज भी भटकते रहे लेकिन किसी ने कोई सुध नहीं ली। दो-चार दिन के लिए बाथरूम की वैकल्पिक व्यवस्था भी हुई लेकिन अब अस्पताल में दोनों बाथरूम तैयार हो गए हैं और अब भी स्वास्थ्य विभाग इनके ताले नहीं खोल रहा है। ऐसे में मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ताले लगाने थे तो फिर क्यों बनवाए शौचालय

गांव रधाना निवासी प्रेम अस्पताल में चिकित्सकों से दवा लेने के लिए आया था। जब वह लघु शंका के लिए बाथरूम की तरफ गया तो पता चला कि यहां ताले लटके हुए हैं। प्रेम ने कहा कि अस्पताल में पहली बार बाथरूम पर ताले लटके देखे हैं। यदि ताले ही लगाने थे तो फिर इन बाथरूम को बनवाया ही क्यों गया।

सामान चोरी होने का डर

- नागरिक अस्पताल में पाँच शौचालय तैयार करके स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर कर चाबी दे दी : जेई सोहनं

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि तीन बजे बाथरूम पर ताले लगा दिए जाएंगे। क्योंकि इन बाथरूम का सामान पहले भी चोरी हो चुका है। अब नया सामान लगा है, उनको डर है कि कहीं फिर से सामान चोरी न हो जाए। पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई सोहन ने बताया कि पीडब्ल्यूडी ने नागरिक अस्पताल में पांच शौचालय तैयार करके स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर करके चाबी दे दी है। अब यह ताला खोलना या नहीं खोलना स्वास्थ्य विभाग का काम है। कार्यकारी अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि बाथरूम बन कर तैयार हैं और इसकी चाबी इमरजेंसी में रखवाई गई थी। कर्मचारियों को बोला गया था कि बाथरूम के ताले खोल दिए जाएं। इसके अलावा यहां चोरी का भी डर रहता है। इसके लिए सिक्योरिटी गार्ड को भी निगरानी रखने के निर्देश दिए थे। बाथरूम जनता के लिए हैं, यह हमेशा ही खुले रहेंगे।

- बाथरूम की चाबी इमरजेंसी में रखवाई गई थी, कर्मचारियों को बोला गया था कि तालों को खोल दें : डॉ. पूनिया

जींद। प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाषण में अक्षिता प्रथम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभा अव्वल रही

- रा. कालेज में सरस्वती महोत्सव स्पर्धा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित सरस्वती महोत्सव 2026 के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में जिला स्तरीय सरस्वती महोत्सव 2026 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक सोच एवं भाषायी दक्षता का विकास करती हैं। सरस्वती महोत्सव भारतीय ज्ञान परंपरा, भाषा और संस्कृति से युवा पीढ़ी को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ ऐसे रचनात्मक एवं बौद्धिक आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। भाषण प्रतियोगिता में अक्षिता राजकीय महिला महाविद्यालय सफीदों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभा राजकीय महिला महाविद्यालय पिल्लूखेड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इन प्रतियोगिताओं में राजकीय महिला महाविद्यालय जींद, राजकीय महिला महाविद्यालय पिल्लूखेड़ा, राजकीय महाविद्यालय जींद, राजकीय महिला महाविद्यालय सफीदों, राजकीय महाविद्यालय नरवाना, राजकीय महाविद्यालय सफीदों, राजकीय महिला महाविद्यालय नरवाना तथा राजकीय महाविद्यालय अलेवा के छात्र व छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विचार अभिव्यक्ति क्षमता एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना रहा। महाविद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार के जिला स्तरीय आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विशेष सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक निशा परुथी, डा. रामकुमार, डा. संदीप, मनोज चहल, पूनम, शर्मिला, दिनेश का विशेष सहयोग रहा।

करसोला गांव में क्रिकेट प्रतियोगिता में बेटिंग करते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

जुलाना की टीम ने सिरसा खेड़ा को दी मात

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के करसोला गांव में युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छह दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पांचवें दिन समाजसेवी परविंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। क्रिकेट प्रतियोगिता की जानकारी देते आयोजन कमेटी के प्रधान योगी लाठर ने बताया कि प्रतियोगिता के पांचवें दिन कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। जुलाना और सिरसा खेड़ा के बीच खेले गए मैच में जुलाना की टीम ने 31 रन से जीत दर्ज की। वहीं सुंडाना और चांदपुर के मुकाबले में सुंडाना ने 53 रन से जीत हासिल की। समरगोपालपुर और घुसकानी के बीच हुए कड़े मुकाबले में घुसकानी की टीम ने मात्र तीन रन से जीत दर्ज कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। ब्राहमणवास और खरकरामजी के मैच में खरकरामजी की टीम ने 69 रन से शानदार जीत हासिल की। इसके अलावा जुलाना और घुसकानी के मुकाबले में जुलाना ने 8 विकेट से जीत दर्ज कीए जबकि सुंडाना और खरकरामजी के मैच में सुंडाना ने 26 रन से जीत हासिल की। मुख्यअतिथि समाजसेवी परविंद्र उर्फ पिन्नी ने खिलाडिय़ों और उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ.साथ खेलों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है बल्कि गांव और क्षेत्र का नाम भी रोशन किया जा सकता है।

वजीर सिंह पानू कांग्रेस जिला उपप्रधान नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद।

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी है। रिषिपाल हैबतपुर को पहले ही कांग्रेस का जिला प्रधान नियुक्त किया जा चुका है। शनिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह द्वारा जारी सूची के अनुसार जिला कार्यकारिणी में चार उप प्रधान, आठ महासचिव, 16 सचिव, एक संगठन महासचिव एवं एक कोषाध्यक्ष की नियुक्ति की है। जिनमें राममेहर मलिक निडाना, राजू लखीना, राजा सरपंच कंडेला व वजीर सिंह पानू को जिला उप प्रधान, पवन दूहन को जिला महासचिव (संगठन) व ईशाक खान भट्टी कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार जीतेंद्र लाठर, सुभाष लाठर, सोनू शर्मा बुआना, संदीप सिंगला, दीपक पिंडारा, दर्वेश पूनिया, नवीन सांगवान व सुरेश शर्मा को जिला महासचिव, कुलवंत लाठर, दिनेश धड़ौली, धर्मपाल प्रधान, मंजीत सैनी, श्रीचंद जैन, कैलाश गोयल, सरदार नरवीर, सीमा बिरौलीएसुखविंदर कौरए मंजीत दहिया, बाला शर्मा, राजकुमार बाल्मीकि, सुमेर नायक, दिनेश आसन, रिंकू खान व बंसीलाल गौहियां को जिला सचिव नियुक्त किया है।

मनरेगा मजदूरों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद। प्रदर्शन में भाग लेते मोर्चा पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर जींद में निर्माण मजदूरों एवं मनरेगा मजदूरों का जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी मांगों का ज्ञापन विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा को सौंपा। प्रदर्शन से पहले तमाम मजदूर रानी तालाब पर एकत्रित हुए और जनसभा की। इसकी संयुक्त अध्यक्षता सीटू के जिला प्रधान जोगिंद्र ईगराह, भवन निर्माण मजदूर संघ (इंटक) के जिला प्रधान सतीश बडौदा, निर्माण कार्य मजदूर, मिस्त्री यूनियन के नेता सुधीर शास्त्री ने की और मंच संचालन सीटू नेता राधेश्याम एवं संदीप जाजवान ने किया। मजदूरों को संबोधित करते हुए सीटू राज्य महासचिव जय भगवान, इंटक महासचिव धर्मबीर लोहान, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला प्रधान संजीव ढांडा ने संबोधित किया। वक्ताओं ने बताया कि हरियाणा निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड का पोर्टल पिछले आठ महीनों से बंद पड़ा है। 90 दिन की वैरिफिकेशन में भ्रष्टाचार का हवाला देकर पोर्टल बंद रखा गया है। जबकि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई के बजाय मजदूरों के शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह, पेंशन आदि लाभ रोके जा रहे हैं। मनरेगा मेट एवं मजदूर यूनियन हरियाणा के राज्य अध्यक्ष रमेश चंद्र ने बताया कि पिछले सात महीनों से मनरेगा कार्यों पर अघोषित पाबंदी है। गांवों में काम नहीं मिल रहा नहर, खालों का काम बाहर कर दिया गया है। केंद्र द्वारा मनरेगा को समाप्त करने की प्रक्रिया चल रही है, जो ग्रामीण मजदूरों के लिए घातक है। केंद्र की भाजपा सरकार ने करोड़ों गरीब मजदूरों की जीवनरेखा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को क्रूरता से खत्म कर दिया है और उसकी जगह विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम थौंप दिया है।

कार्यक्रम

वेदांता स्कूल में शिक्षकों के लिए रचनात्मक सोच और तनाव प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण

विद्यालय की आधुनिक लैंग्वेज लैब में आयोजित विविध गतिविधियां सत्र का प्रमुख आकर्षण रहीं

अध्यापकों को निरंतर सीखने और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल कलौदा खुर्द में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशेष इन हाउस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग तथा स्ट्रेस मैनेजमेंट स्किल्स जैसे अत्यंत उपयोगी और समसामयिक विषयों पर केंद्रित रहा। इस ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक प्रशिक्षण सत्र का संचालन प्रसिद्ध अकादमिक ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर प्रिंस विक्टर वेंसन द्वारा किया गया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति, व्यावहारिक उदाहरणों और गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से शिक्षकों को यह समझाया कि कक्षा शिक्षण में रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को किस प्रकार प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सकता है। साथ ही तनाव प्रबंधन पर दिए गए उनके मार्गदर्शन ने शिक्षकों को सकारात्मक दृष्टिकोण और मानसिक संतुलन बनाए रखने के उपयोगी उपाय प्रदान किए। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाते हुए एमबीडी ग्रुप के मैनेजर संजय अत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षकों को अपने अनुभव साझा करते निरंतर सीखने आत्मविकास और सकारात्मक सोच को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ भाग लिया।

प्रिंस विक्टर वेंसन सम्मानित

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के निदेशक इंजीनियर प्रदीप नैन ने अकादमिक ट्रेनर प्रिंस विक्टर वेंसन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की। वहीं विद्यालय की प्राचार्या वीणा दरा ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी रचनात्मक और आनंददायक बनाने में सहायक सिद्ध होगा तथा इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम वेदांता इंटरनेशनल स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और शिक्षकों के सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला एक प्रेरणादायक उदाहरण रहा।

जींद। गोपाल स्कूल में कार्यक्रम में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

दक्षता वर्ग से आचार्यों के कौशल में विकास : कौशिक

जींद। गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय के आचार्यों की दक्षता को ध्यान में रखते हुए शीतकालीन अवकाश के दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य अजय कौशिक के कुशल मार्गदर्शन में दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि दक्षता वर्ग में आचार्य स्व मूल्यांकन कर अपनी त्रुटियों को ठीक करते हैं तथा अपने शिक्षण में गुणवत्ता लाने का पूर्ण प्रयास किया जाता है। सुशील ने कहा कि आचार्य मानसिक स्थिति के साथ-साथ शारीरिक रूप से भी स्वस्थ होना चाहिए। इसलिए दक्षता वर्ग में प्राणायाम सम्बन्धित क्रियाकलापों में आचार्यों को व्यस्त रखा जाता है। शारीरिक क्षमता बढ़ती रहे इसके लिए दक्षता वर्ग में शारीरिक गतिविधियों में आचार्य भाग लेते हैं। इसी पद्धति का अनुसरण करते हुए आज दक्षता वर्ग में मोनिका, रचना व अलका, सरस्वती वंदना, सुधीर सुभाषित वचन, दिशा बोध इंद्रजीत, मेघा ने एकल गीत, पर्यवेक्षक रामफल व ज्योत्सना, सोनल कहानी कथन, शिक्षण कौशल विभा, अदिति बिंदु लेखन तथा प्रधानाचार्य द्वारा समीक्षा भी की गई। समीक्षात्मक सत्र के दौरान क्रियाकलापों में समाहित छोटी-छोटी त्रुटियों पर विस्तृत चर्चा की गई। दक्षता वर्ग प्रमुख पूर्णिमा ने कहा कि इस दक्षता वर्ग में सभी आचार्यों के द्वारा अपनी अच्छी प्रस्तुति के लिए प्रयास किया गया। आज का दक्षता वर्ग सभी के सहयोग से पूर्ण सफल रहा।

खबर संक्षेप

बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान भी देना चाहिए : आर्य

ढांड। सरस्वती विद्या भारती हाई स्कूल पबनावा में सीबीएसई द्वारा एकदिवसीय हैप्पी क्लासरूम कार्यक्रम विषय पर एक कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र तथा कैथल के अन्य विद्यालयों के शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में कुमारी किरण एवं पिंकी गोयल ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सहभागिता की। विद्यालय प्रबंधन बलिंद्र आर्य की ओर से सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज थरडक,स्कूल प्रबंधक संजीव बोदला तथा रिसोर्स पर्सन द्वारा सरस्वती वंदना एवं मंत्र उच्चारण के द्वारा दीप प्रज्वलित करवाकर किया गया। बलिंद्र आर्य ने संबोधित करते हुए प्रशिक्षण सत्र में शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों,अनुशासन तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जिसमें कहानी सुनाने के बारे में जानकारी दी।

लोगों से मिलना व समस्याएं सुनना मेरी प्राथमिकता : विधायक

सतपाल जांबा ने आमजन की समस्याओं का किया समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

विधानसभा पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने अपने 7 दिवसीय केरल प्रशिक्षण दौरे से लौटने के तुरंत बाद पूंडरी स्थित अपने कार्यालय में आमजन से मुलाकात कर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आई समस्याओं को सुना। यह मुलाकात विधायक की दैनिक कार्य प रणाली के तहत आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक सतपाल जांबा ने एक-एक कर सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकांश मामलों में मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। कई विषयों पर उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से तत्काल दूरभाष पर बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए, जिससे लोगों को तुरंत राहत मिली। इस अवसर पर विधायक जांबा ने कहा कि पूंडरी विधानसभा के लोग मेरा परिवार हैं। प्रशिक्षण या किसी भी दौरे से लौटने के बाद मेरी पहली प्राथमिकता जनता से मिलना और उनकी समस्याओं को सुनना है। जनता की सेवा ही मेरे सार्वजनिक जीवन का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि केरल प्रशिक्षण दौरे के दौरान उन्हें प्रशासनिक दक्षता, विकास मॉडल और जनसुविधाओं से जुड़े कई नए अनुभव मिले हैं, जिनका लाभ वे पुंडरी विधानसभा क्षेत्र के विकास में लागू करेंगे। समस्या लेकर पहुंचे लोगों ने विधायक द्वारा दिखाई गई तत्परता, संवेदनशीलता और सहज व्यवहार की सराहना की। नागरिकों का कहना था कि विधायक का सीधे जनता से संवाद करना और समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करना एक भरोसेमंद और प्रभावी व्यवस्था को दर्शाता है। क्षेत्रवासियों ने विश्वास जताया कि इस प्रकार की निरंतर संवाद प्रक्रिया से न केवल जनसमस्याओं का समाधान तेज होगा, बल्कि पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में विकास और सुशासन को भी मजबूती मिलेगी।

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा लोगों की शिकायत सुनते हुए। फोटो : हरिभूमि

केरल प्रशिक्षण दौरे के दौरान उन्हें प्रशासनिक दक्षता, विकास मॉडल और जनसुविधाओं से जुड़े कई नए अनुभव मिले है।

सरस्वती नदी के संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिता में राजौंद कालेज के विद्यार्थी रहे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजकीय महाविद्यालय राजौंद के विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। जानकारी देते हुए प्राचार्य डा. रोहिताश ने बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय जगदीशपुर कैथल में सरस्वती नदी महोत्सव के उपलक्ष्य में दूसरे दौर की प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कैथल के महाविद्यालयों ने भागीदारी की। उन्होंने बताया कि राजौंद के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीए अंतिम वर्ष की छात्रा कोमल व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्राएं प्रीति कोमल स्मृति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इंपोर्टेंट डे सेलिब्रेशन कमेटी इंचार्ज रविंद्र कुमार हिंदी निशु व विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें अपने इन विद्यार्थियों पर गर्व है आगे भी हम इस तरह की होने वाली गतिविधियों में विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे ताकि विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो सके। हरियाणा सरकार के इस बढ़ते कदम का स्वागत करते हैं जिसमें विद्यार्थियों को सरस्वती नदी के संरक्षण के प्रति जागरूक होने का मौका मिला। इस दौरान स्टाफ सदस्य मौजूद रहा।

प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी।

उजाला सिग्नस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में निःशुल्क डाक्टर परामर्श शिविर आज : विकास सिंदुरिया

कैथल। उजाला सिग्नस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कैथल द्वारा 18 जनवरी को प्रातः 10 से दोपहर 3:00 बजे तक हुडा बाइपास रोड सेक्टर 20 स्थित उजाला सिग्नस अस्पताल कैथल में निशुल्क डाक्टर परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए अस्पताल के प्रबंधक विकास सिंदुरिया ने बताया कि शिविर में हृदय रोग, बाल रोग, न्यूरो सर्जरी, जनरल सर्जरी, जनरल मेडिसिन, हड्डी और जोड़ रोग, प्रसूति और स्त्री रोग, फिजियोथैरेपी और स्पोर्टस इंजरी से संबंधित विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में आयोजित इस शिविर में शुगर, बीपी और इसीजी निशुल्क की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि डॉक्टर की सलाह पर फेफड़ों की जांच भी की जाएगी। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि वे इस शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लें। बता दें कि अस्पताल कैथल का सबसे बड़ा अस्पताल बनकर उभरा है। अस्पताल में आपातकाल से संबंधित सर्जरी इलाज के लिए पर्याप्त उपकरणों के साथ-साथ विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। अस्पताल के कारण लोगों को पीजीआई के चक्करों से छुटकारा मिला है।

विकास सिंदुरिया

प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में होगा भंडारा

- पंकज कातिया भजनों से प्रभु राम की महीमा का करेंगे गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

जय दादा खेड़ा जन सेवा ट्रस्ट, सीवन की ओर से श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर दूसरा विशाल श्री राम संकीर्तन एवं भंडारे का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन श्री बाबा नारायण दास मंदिर, रामलीला मैदान में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न होगा। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना हुआ है तथा नगर भर में निमंत्रण देने का कार्य जोरों पर है। समिति की और से प्रधान सुखविंदर कुमार सोनू ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर ट्रस्ट के सभी सदस्यों को उनकी-उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से सौंप दी गई हैं। सभी सदस्य पूरे उत्साह और समर्पण भाव से आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि नगर के प्रत्येक घर तक निमंत्रण पत्र पहुंचाए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु इस पावन अवसर पर शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें। सोनू ने बताया कि संकीर्तन कार्यक्रम के दौरान श्री वैष्णो दुर्गा मंडल, सीवन की ओर से प्रभु श्री राम का मधुर गुणगान किया जाएगा।

सीवन। निमंत्रण पत्र देते जय दादा खेड़ा जन सेवा ट्रस्ट के सदस्य।

श्रद्धालु करेंगे प्रसाद ग्रहण

इसके अतिरिक्त विशेष रूप से आमंत्रित सुप्रसिद्ध कलाकार पंकज कतिया (चंडीगढ़) भी अपने भजनों के माध्यम से प्रभु श्री राम की महिमा का गुणगान करेंगे, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। समिति की ओर से नगर वासियों से अपील की गई है कि वे परिवार सहित इस धार्मिक आयोजन में पहुंचे, प्रभु श्री राम के संकीर्तन का आनंद लें और भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर आयोजन को सफल बनाएं। कार्यक्रम सामाजिक समरसता, भक्ति और सेवा भावना को बढ़ावा देने वाला होगा । इस अवसर पर गुलशन कामरा, विक्की आहूजा,आदि मौजूद रहे।

पक्का करने के कोर्ट के फैसले को शिक्षकों व सहायक स्टाफ पर अतिशीघ्र लागू किया जाए: रामफल

- 12 फरवरी की हड़ताल को लेकर जवाहर पार्क में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

शिक्षा के सार्वजनिक ढांचे को बचाने हेतु 5 फरवरी के दिल्ली कुच व सार्वजनिक विभागों एवं रोजगार को बचाने के लिए 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी हेतु हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की जिला कार्यकारिणी की बैठक जवाहर पार्क में हुई। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान रामफल दयोहरा ने व संचालन जिला सचिव अमरनाथ किठानिया ने किया। बैठक में राज्य महासचिव रामपाल शर्मा, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान ओमपाल भाल, जिला सचिव शिवचरण, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला संगठन सचिव सुरेश द्रविड़, कृष्ण आर्य, सतपाल पांचाल, राजकुमार कश्यप, मस्त राम शास्त्री, जितेंद्र नेहरा,लछमन शास्त्री, सतीश कुमार, सुरजीत सिंह, विक्रम कौल व सुशील कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।उन्होंने बताया कि बताया कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले अनुसार प्रदेश में कार्यरत सभी अनियमित शिक्षकों एवं सहायक स्टाफ को नियमित करने की मांग को लेकर संगठन ने अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय शिक्षा विभाग हरियाणा को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे गरिमापूर्ण और राष्ट्र-निर्माण से जुड़े कार्य को यदि अनियमित, असुरक्षित और पेंशन-विहीन बना दिया जाए, तो उस देश के विकास की कल्पना करना ही बेमानी है। आज हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था इसी गंभीर संकट से गुजर रही है, जहां वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षक और शिक्षा कर्मचारी आज भी अस्थायी, कच्चे और शोषणकारी ढांचे में काम करने को मजबूर हैं।

स्व. शमशेर सुरजेवाला की पुण्यतिथि पर 20 को श्रद्धांजलि सभा आयोजित

- छठी पुण्यतिथि पर रणदीप व आदित्य सुरजेवाला रहेंगे उपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री स्व. शमशेर सिंह सुरजेवाला की छठी पुण्यतिथि (20 जनवरी) पर किसान भवन, कैथल में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम किसानों, मजदूरों और गरीबों के सच्चे हमदर्द रहे स्व. शमशेर सिंह सुरजेवाला को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सुदीप सुरजेवाला ने सभी जिलावासियों, हरियाणावासियों और विभिन्न राजनीतिक-सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों को इस सभा में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने बताया कि सभा 20 जनवरी (मंगलवार) को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। सभा के बाद भोज का भी आयोजन रहेगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक शैलेन्द्र भारती भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

स्वर्गीय शमशेर सिंह सुरजेवाला

ब्रह्मा बाबा त्याग तपस्या की प्रतिमूर्ति थे : मेहर चंद

राजौंद। ब्रह्माकुमारी आश्रम में कार्यक्रम के दौरान मौजूद भाई बहन व मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

- ब्रह्मा बाबा में निर अहंकारिता, निश्छलता, सद्भावना के गुण थे।

नगर के कैथल रोड पर ब्रह्मकुमारीज की शाखा राजौंद में ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक परम पूज्य पिता श्री ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता भाई मेहर चंद की ने की। कार्यक्रम में असंध सेवाकेंद्र से राजयोगिनी सरिता दीदी पधारे। उन्होंने ब्रह्मा बाबा के जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा त्याग तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। परम पूज्य ब्रह्मा बाबा ने अपने जीवन से देश विदेश अनेकानेक भाई बहनों को प्रेरित किया। उन्होंने सबके जीवन को सुखमय बनाया। ब्रह्मा बाबा में निर अहंकारिता, निश्छलता, सद्भावना इत्यादि गुण थे। जो भी बाबा के पास जाता उसे अपनेपन का आभास होता और लगता जैसे की हम किसी फरिश्ते से मिल रहे है। कार्यक्रम में 250 के करीब भाई बहने शामिल हुए। इस दौरान बी के सरिता, पूनम बहन, शैली बहन, नीरू बहन, आशा बहन, नीलम बी के ज्ञान योग से ब्रह्मा बाबा को स्नेह सुमन अर्पित किए।

देबवन में तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आने से क्रिकेटर की मौत

- परिवार में अकेला कमाने वाला था 25 वर्षीय सलिंदर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल-जींद मार्ग पर गांव देबवन में शनिवार सुबह एक वर्ना कार ने बाइक चालक को चपेट में ले लिया। हादसे में रोहेड़ा निवासी 25 वर्षीय सलिंदर की मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर तितरम थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम करवाने के लिए सिविल अस्पताल लाया गया। मृतक के चाचा रामपाल ने बताया कि सलिंदर रोजाना की तरह बाइक पर कैथल में काम पर आ रहा था। जब वह देबवन गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसको चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सलिंदर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से मांग है कि सलिंदर की बाइक को टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश कर उसे गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिवार में अकेला कमाने वाला था। सलिंदर परिवार का इकलौता बेटा है। उसके माता-पिता भी काफी बुजुर्ग हैं और वे कमाने में असमर्थ हैं। वह परिवार में अकेला कमाने वाला था। इस हादसे ने परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया है।

शनिदेव मंदिर में भंडारे का आयोजन

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के ब्राह्मणवास गांव स्थित प्राचीन शनिदेव मंदिर में शनिवार को भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा और श्रद्धालुओं ने शनिदेव के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मंदिर के पुजारी साधुराम ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिदेव मंदिर परिसर में खाटू श्याम मंदिर की नींव रखी गई है। इसी शुभ अवसर के उपलक्ष्य में मंदिर में चौथे भंडारे का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि खाटू श्याम मंदिर के निर्माण से क्षेत्र के श्रद्धालुओं को एक और धार्मिक स्थल उपलब्ध होगा। जिससे लोगों की आस्था और अधिक मजबूत होगी। भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं को प्रेम और श्रद्धा के साथ प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में गांव के युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया और सेवा कार्य में सहयोग किया। पुजारी साधुराम ने बताया कि शनिदेव मंदिर में हर शनिवार को सैंकड़ों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और शनिदेव से सुख, समृद्धि की कामना करते हैं।

जुलाना। मंदिर में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

सांसद जिन्दल के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान

आरकेएसडी कालेज में छात्रों को तिरंगा फहराने पर किया जागरूक

युवाओं को समझाया राष्ट्र प्रेम और नागरिक जिम्मेदारी की भावना का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान–2026 के अंतर्गत कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज के प्रांगण में एक विशेष जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य युवाओं को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, राष्ट्रीय ध्वज संहिता के नियमों तथा आम नागरिकों को सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने का अधिकार दिलाने के लिए सांसद नवीन जिन्दल द्वारा किए गए ऐतिहासिक संघर्ष से अवगत कराना रहा। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रवक्ता डॉ. राज कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, ध्वज संहिता के प्रमुख प्रावधानों तथा तिरंगे के सम्मान से जुड़े नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल ने आम नागरिकों को सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिलाने के लिए एक लंबी और ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप देश में आमजन को तिरंगा फहराने का अधिकार प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यही संघर्ष आगे चलकर फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की स्थापना का आधार बना।

कैथल। राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान–2026 के तहत विद्यार्थियों को जागरूक करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

तिरंगा राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक

कार्यक्रम में कैथल सांसद कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने युवाओं से अपील की कि यदि उन्हें कहीं भी कोई पुराना, फटा या क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय ध्वज दिखाई दे, तो उसे फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया को सौंपें। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है और उसका सम्मान बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से सांसद नवीन जिन्दल की इस मुहिम से जुड़ने और इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों को फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की गतिविधियों और राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान–2026 के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। युवाओं में राष्ट्रप्रेम और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लेपल फ्लैग और रिस्ट बैंड भी वितरित किए गए।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में आरकेएसडी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजबीर पराशर, इवनिंग सत्र के प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. हरिंद्र गुप्ता, डॉ. अनिल जिंदल, डॉ. अनुकृति, डॉ. अनीता, डॉ. सोम प्रकाश, कैथल हल्का इंचार्ज अरविंद गोलन, कलायत हल्का इंचार्ज वीरेंद्र सारण सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सीआरएसयू में लॉ के छात्रों को पेयजल समस्या

जींद। सीआरएसयू के लॉ डिपार्टमेंट में विद्यार्थियों को पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। छात्र नेता सुमित लाठर ने कहा कि पिछले 15 दिन से वाटरकूलर के पास वाला गेट बंद पड़ा है। जबकि एक तारीख से कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को पानी के पानी के लिए ऊपर से घूम कर आना पड़ता है। इसके बारे में कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका थाए लेकिन इस ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सुमित लाठर गेट का ताला तोडऩे पहुंचे तो कर्मचारियों ने आश्वासन दिया कि ताला खोल दिया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थी कक्षाओं में चले गए।

कैथल जिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी मंजूर

कैथल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कैथल जिला कांग्रेस कमेटी की एग्जीक्यूटिव कमेटी को आधिकारिक तौर पर मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आज जारी एक पत्र में इस कमेटी को तत्काल प्रभाव से स्वीकृत किया है। राव नरेंद्र सिंह, जो सितंबर 2025 में हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बने थे, लगातार जिला इकाइयों को सक्रिय बनाने पर फोकस कर रहे हैं। कैथल जिले में नई टीम पार्टी की जमीनी पकड़ बढ़ाने, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और स्थानीय मुद्दों पर प्रभावी ढंग से आवाज उठाने में अहम भूमिका निभाएगी।

कैथल जिला कांग्रेस कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी इस प्रकार हैं।

23 को गांव पोलड़ में हवन-यज्ञ और भंडारा

कैथल। हरियाणा सरकार द्वारा बसंत पंचमी के पावन पर्व को समर्पित 'सरस्वती महोत्सव' की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में कैथल डीसी अपराजिता ने बताया कि जिले के गांव पोलड़ और पिसोल तीर्थ पर 23 जनवरी को विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 23 जनवरी को सुबह 11 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी, जिसमें मुख्य रूप से सरस्वती नदी के पुनरुद्धार और जनकल्याण की कामना के साथ विधि-विधान से हवन किया जाएगा। स्थानीय स्कूली छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। पूजा-अर्चना के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

राधेश्याम गो आश्रम व मातृ-पितृ सेवा सदन को 15 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा

हरियाणा सनातन की धरती, गोसेवा व माता-पिता की सेवा ही जीवन का सर्वोच्च धर्म : कैबिनेट मंत्री बेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हरियाणा सनातन संस्कृति की पावन भूमि है जहाँ गौमाता की सेवा एवं संरक्षण केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं हैए बल्कि यह जीवन में परोपकारए करुणा और मानवीय मूल्यों का सजीव उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है और राज्य सरकार इस पवित्र परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बताया कि वर्तमान सरकार ने वर्ष 2016 में पहली बार गौसेवा कानून लागू कर गौ संरक्षण को एक सशक्त कानूनी आधार प्रदान किया। इस कानून के अंतर्गत प्रदेश की सभी पंजीकृत गौशालाओं को नियमित आर्थिक सहायता पशु आहार हेतु निर्धारित अनुदान तथा आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए सरकारी सहयोग सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में छप्पर निर्माण स्वच्छ पेयजल हरा व सूखा चारा तथा पशु चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया गया है। श्री बेदी ने कहा कि गोसेवा समितियों को हर तीन महीने में नियमित रूप से आर्थिक सहायता के चेक प्रदान

नरवाना। कार्यक्रम में मंत्री बेदी को स्मृति चिन्ह देते हुए। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री बेदी।

किए जा रहे हैं जिससे गौशाला प्रबंध समितियों को गौ माताए नंदीए बछड़े और बछडिय़ों के भरण.पोषण में बड़ी राहत मिली है। सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी गौशाला को संसाधनों की कमी के कारण कठिनाई न झेलनी पड़े। कैबिनेट मंत्री शनिवार को नरवाना स्थित राधे.श्याम गौ आश्रम एवं मातृ.पितृ सेवा सदन के सामूहिक वार्षिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुए समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आश्रम एवं सेवा सदन की समितियों को 15 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा कीए जिसे सेवा कार्यों के विस्तार में उपयोग किया जाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गौसेवा के साथ.साथ माता.पिता की सेवा भारतीय समाज की सबसे बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है। मातृ.पितृ सेवा सदन जैसे संस्थान उन बुजुर्गों के लिए संबल हैंए जो जीवन के अंतिम पड़ाव में सम्मानए स्नेह और देखभाल की अपेक्षा रखते हैं। ऐसे सेवा केंद्र समाज में संस्कारों को जीवित रखने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवाए संवेदना और समर्पण की भावना से किए गए कार्य ही सच्चे अर्थों में समाज को मजबूत बनाते हैं। राज्य सरकार भविष्य में भी गौशालाओंए सेवा सदनों और सामाजिक संस्थाओं को हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी ताकि सनातन संस्कृति के ये मूल्य आने वाली पीढिय़ों तक सुरक्षित रह सकें।

नरवाना। चौपाल का शिलान्यास करते हुए मंत्री बेदी। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि इलाका का विकास मेरा मुख्य विजन है और इसे हर हाल में पूरा करने का प्रयास करूंगा। ग्रामीण विकास के लिए राज्य सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और सभी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं का बराबर कार्य किया जा रहा है। नया साल में नरवाना विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांवों को भी विकास की नई उड़ान मिलेगी और कल्याणकारी योजनाओं का तीव्र गीत से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को विधानसभा क्षेत्र के गांव लोन में आयोजित ग्रामीण जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम स्वर्गीय डॉ प्रवीण नैन की स्मृति में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच तथा रक्तदान कैम्प का आयोजन भी किया गया। कैबिनेट मंत्री ने स्वर्गीय डॉ प्रवीण कुमार की याद में बनाए गए गांव के मुख्य प्रवेश द्वार का उद्घाटन भी किया। इस प्रवेश द्वार पर जिला परिषद द्वारा 11 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री ने गांव में 10 लाख रुपये से बनने वाली ब्राहमण चौपाल तथा पांच. पांच लाख रुपये की अनुमानित राशि से बनने वाली कुम्हार एवं लोहार चौपाल का भी नींव पत्थर रखा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वोट की राजनीति केवल चुनाव तक सीमित होती है और यहीं स्वच्छ प्रजातंत्र की गरिमा और पहचान है। चुनाव बाद निर्वाचित होने वाले जनप्रतिनिधि की जवाबदेही पूरा इलाका की जनता के प्रति निष्पक्ष तौर पर निर्धारित हो जाती है और इसी अवधारणा के साथ वे निरन्तर पूरा क्षेत्र के चहुमुखी विकास के लिए प्रयासरत है। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एकमात्र सपना समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे गरीब एवं वंचित व्यक्ति के कल्याण का है। इसी दिशा में केन्द्र व राज्य सरकार युवाए महिलाए किसानए कर्मचारीए व्यापारी सहित समाज के सभी तबकों को बराबर विकास करने के लिए निरन्तर ठोस कदम उठा रही है।

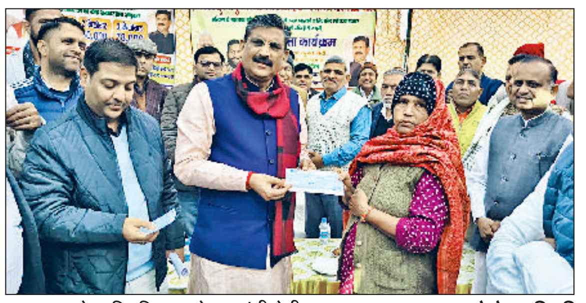

नरवाना। चेक वितरित करते हुए मंत्री बेदी। फोटो : हरिभूमि

बिजली खर्च से राहत की योजना

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की और ले जाने वाली एक क्रांतिकारी और दूरदर्शी योजना है जो विशेष रूप से गरीब परिवार, मध्यम वर्ग और किसान के जीवन में सकारात्मक एवं स्थायी बदलाव ला रही है। यह योजना न केवल स्वच्छ एवं नवीनीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है बल्कि आम नागरिकों को बढ़ते बिजली खर्च से राहत दिलाकर आर्थिक रूप से सशक्त भी बना रही है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम कार्यालयए नरवाना में आयोजित प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सब्सिडी चेक वितरण समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन का साकार रूप हैए जिसके तहत देश का प्रत्येक नागरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने वाले लाभार्थी परिवारों को अब नाममात्र का बिजली बिल देना पड़ रहा हैए जिससे उनकी मासिक बचत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह बचत सीधे तौर पर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। लोग अब अपनी बची हुई आय का उपयोग बच्चों की शिक्षाए व्यापार विस्तारए कृषि कार्यों और परिवार की उन्नति में कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना किसानों के लिए भी वरदान साबित हो रही है। सौर ऊर्जा के माध्यम से सिंचाईए ट्यूबवेल और अन्य कृषि कार्यों में बिजली पर निर्भरता कम हुई हैए जिससे किसानों का उत्पादन खर्च घटा है और आय में वृद्धि हुई है। आने वाले समय में यह योजना हरियाणा को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी एवं आत्मनिर्भर राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

19 को प्रदर्शन में सभी विभागों के कर्मचारी भाग लेंगे : शिवचरण

- राज्य सहसचिव विक्की टांक ने कर्मचारियों के साथ बैठक की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला प्रधान ओमपाल भाल जिला सचिव शिवचरण व नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य सहसचिव विक्की टांक ने आज हुडा विभाग के सैक्टर 18, 21, 25 व डोर टू डोर के सफाई कर्मचारियों, टूरिज़्म, मंडी बोर्ड व फायर स्टेशन के कर्मचारियों के साथ नुकड मिटिंग की ओर 19 जनवरी को जिला स्तरीय प्रदर्शन जो जवाहर पार्क से सचिवालय तक चलेगा उसमे शामिल होने की

कैथल। बैठक के दौरान नारेबाजी कर रोष जताते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

अपील की। उन्होंने कहा कि 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी हेतू 19 जनवरी को एसकेएस व सीटू जिला स्तरीय जोरदार प्रदर्शन करते हुए हड़ताल का नोटिस और 23 व 31दिसंबर 025 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले कच्चे कर्मचारियो को पक्का करने व बकाया वेतन का 6 प्रतिशत एरियर का भुगतान करने की माँग को लेकर अपायुक के माध्यम से मुख्य मंत्री के नाम जायपन भी सोपा जायेगा।

सरकार की आर्थिक-उदारिकरण की नितियो के कारण लगातार महंगाई, बेरोज़गारी व भ्रस्टाचार बढ रहा ह इनपे रोक लगाने की बजाय केंद्र व राज्य सरकार जति-धर्म के नाम पर जनता का घ्यान बढ़के आपने चहेते पूंजीपतियों को लाभ पहुंचे पर लगी हुई है।

पशु प्रदर्शनी 6 फरवरी से कुरुक्षेत्र में : खटकड़

- प्रगतिशील पशुपालक शीघ्र अपना पंजीकरण करवाएं : डा. सूर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डा. सूर्य खटकड़ ने बताया कि हरियाणा सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा वर्ष 2026 की राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन छह फरवरी से आठ फरवरी तक कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मेला ग्राउंड कुरुक्षेत्र में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह हरियाणा सरकार की 41वीं राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी होगी। उन्होंने शनिवार को आयोजित विभाग की मासिक बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे

जींद। बैठक में दिशा-निर्देश देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डा. सूर्य खटकड़। फोटो : हरिभूमि

अधिक से अधिक प्रगतिशील पशुपालक किसानों को इस प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए प्रेरित करें तथा उत्तम नस्ल के पशुओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। डा. खटकड़ ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रदेशभर से उत्तम नस्ल की भैंस, गाय, भेड़, बकरी, ऊंट, घोड़े एवं सूकर सहित इन पशुओं को करीब 53 विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर लगभग 600 चयनित पशुओं को नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में भाग लेने वाले पशुओं के आवागमन पर आने वाले खर्च का भुगतान दूरी के अनुसार सरकार द्वारा किया जाएगा। इच्छुक एवं जागरूक पशुपालकों के लिए निशुल्क बस सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही पशुपालकों के ठहरने, भोजन, पशुओं के लिए चारा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी सरकार की ओर से समुचित प्रबंध किया जाएगा।

पंजीकरण प्रक्रिया शुरू

उपनिदेशक ने बताया कि जो पशुपालक इस राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी में भाग लेना चाहते हैं वे अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विभाग द्वारा सभी पशु चिकित्सालयों में पशुओं के पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने अपील की गई है कि वे शीघ्र अपना पंजीकरण करवाएंए ताकि विभाग के उच्च अधिकारियों को प्रतिभागियों की सूची मोबाइल नंबर सहित समय पर उपलब्ध करवाई जा सके।

'सेव' ने रानी स्वच्छता और जागरूकता अभियान चलाया

- सभी लोग डस्टबिन का प्रयोग करेंगे, तभी स्वच्छता बनी रहेगी : सेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार दोपहर बाद रानी तालाब पर बुलबुल होटल से सफीदों गेट बत्तख चौक एरिया तक स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा यह 452वां अभियान संस्था के वरिष्ठ साथी मास्टर जोरा सिंह रेढू की अध्यक्षता में चलाया गया। संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाते हुए लोगों को कूड़ा डस्टबिन में डालने का आह्वान किया। संस्था के सदस्यों ने लोगों को कहा कि गंदगी फैलाने के हम ही जिम्मेदार है। क्योंकि हम

जींद। सफाई अभियान में भाग लेते सेव सदस्य।

डस्टबिन का प्रयोग करने की आदत ही नहीं अपना रहे है। जब तक हम डस्टबिन का प्रयोग करने की आदत नहीं अपनाएंगे स्वच्छता किसी भी रूप में नहीं रह सकती। इस जिम्मेदारी को सभी ने मन से निभाना चाहिए। हर आदमी ने हर प्रकार का कूड़ा डस्टबिन में ही डालना चाहिए। जब सभी लोग डस्टबिन का प्रयोग करेंगे तभी स्वच्छता रहेगी। डस्टबिन नगर परिषद की गाड़ी को ही देना चाहिए। इसी से हमारा शहर, गांव और देश स्वच्छ होगा।

डीएवी कॉलेज के स्वयंसेवकों ने जल बचाओ-जीवन बचाओ रैली निकाली

- आर्य समाज मंदिर में सफाई अभियान चलाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

डीएवी कॉलेज पुण्डरी की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई की ओर से गांव फतेहपुर, जिला कैथल में 15 से 21 जनवरी तक सात दिवसीय कैम्प के तीसरे दिन सुबह 6:00 बजे स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास व प्रभात फेरी निकाली। जल बचाओं जीवन बचाओं, स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत रैली निकाली व फतेहपुर गांव के आर्य समाज मंदिर में सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतुल गोयल ने

पूंडरी। पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुवात करते मुख्यअतिथि।

साईबर लिटरेसी का अर्थ बताते हुए कहा कि डिजिटल तकनिक, इंटरनैट, मोबाईल, कंप्युटर और जिम्मेवारी से उपयोग करने की क्षमता के बारे में बताया। मुख्य वक्ता अशवनी खुराना ने स्टार्टअप आईडिया पर व्याखान देते हुए विधार्थियो की पढाई, ट्रासपोर्ट, हैल्थ खेती या रोजमरा की जिन्दगी में आने वाली परेशनिया सें र्स्टअप के के माध्यम से अच्छे अवसर उपलब्द होने की जानकारी दी। वृद आश्रम के प्रधान जगजीत सिहं ने सभी स्वयंसेवकों कों अपने माता-पिता की सेवा करने लिए प्रेरित किया। स्पोर्टस क्लब के प्रधान अजीत सिहं ने प्लास्टिक मुक्त हरियाणा पर व्याख्यान दिया।

रोड़ महासभा की कमेटी का गांव जड़ौला में हुआ स्वागत

- रोड़ समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखना ही उद्देश्य : बलकार पुंडरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

अखिल भारतीय रोड़ महासभा के प्रधान बलकार पुंडरी एवं कार्यकारिणी का गांव जडौला में भव्य स्वागत किया गया। रोड समाज के गणमान्य लोगों ने प्रधान बलकार पुंडरी को सम्मान का प्रतीक पगड़ी पहनकर गर्म जोशी के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सरपंच प्रतिनिधि संदीप सिंह कालू ने किया। रोड़ समाज के लोगों को संबोधित करते हुए प्रधान बलकार पुंडरी ने कहा कि उनकी पूरी टीम को जो समाज के लोगों ने 3 वर्षों के लिए जिम्मेदारी दी है वह उस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

ढांड। अखिल भारतीय रोड़ महासभा के प्रधान बलकार पुंडरी को गांव जड़ौला के गणमान्य व्यक्ति पगड़ी पहनाकर स्वागत करते हुए।

समाज के द्वारा जो भी पैसा दिया जाएगा उसकी पूरी ईमानदारी के साथ खर्च किया जाएगा और समाज का कोई भी व्यक्ति उसके हिसाब किताब के लिए कभी भी कमेटी के लोगों से जानकारी ले सकता है। हमारा उद्देश्य है कि रोड़ समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखने के साथ-साथ समाज में ऐसी जागरूकता भी लानी है जिसके द्वारा समाज में पुरी कमेटी का नाम सम्मान के साथ लिया जा सके।

कुरुक्षेत्र में 31 जनवरी को मनाई जाएगी संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती : सुदेश कटारिया

कैथल। संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती का राज्य स्तरीय समारोह आगामी 31 जनवरी को धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया गांव जुलानीखेड़ा पहुंचे, जहां ग्रामीणों द्वारा उनका फूल मालाओं से और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम भाजपा बालू मंडल अध्यक्ष एवं सरपंच नरेन्द्र जुलानीखेड़ा के निवास पर सम्पन्न हुआ, जहां ग्रामीणों ने कटारिया को पगड़ी पहनाकर और बाबा साहब की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया। सुदेश कटारिया ने कहा कि सतगुरु रविदास का जीवन समता, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केंद्र सच्चाखेड़ा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भेड़ और बकरी पालन करने की वैज्ञानिक तकनीकें बताईं

किसानों और युवाओं की आय में वृद्धि करना मुख्य उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

पंजाब नैशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्रए सच्चा खेड़ा में किसानों एवं ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय भेड़ एवं बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से 53 किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नरवाना। शिविर के समापन पर मौजूद प्रशिक्षणार्थी। फोटो :हरिभूमि

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भेड़ एवं बकरी पालन को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से अपनाने हेतु विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में भेड़ एवं बकरी की उन्नत नस्लों का चयन, उचित आवास व्यवस्थाए संतुलित आहार प्रबंधन, टीकाकरण एवं रोग नियंत्रणए प्रजनन प्रबंधन, स्वच्छता, उत्पादन लागत एवं लाभ का आकलन तथा उत्पादों के विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय से आए पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन करने की तकनीकों से अवगत कराया। कम लागत में अधिक लाभ देने वाला यह व्यवसाय ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बन सकता है। समापन अवसर पर केंद्र निदेशक हितेश कालरा ने अपने संबोधन में कहा कि पंजाब नैशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं ग्रामीण युवाओं को कृषि के साथ.साथ पशुपालन जैसे सहायक व्यवसायों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था बनेगी सशक्त

उन्होंने कहा कि भेड़ एवं बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को व्यवहार में अपनाकर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढाऐ तथा अन्य किसानों को भी प्रेरित करें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पशुपालन से संबंधित सरकारी योजनाओंए अनुदानए बीमा सुविधाओं एवं बैंक ऋण योजनाओं की जानकारी भी दी गईए जिससे वे भविष्य में अपना स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्व: जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेस: बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंड: जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमैट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होते हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटी: आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगी। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूज: आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

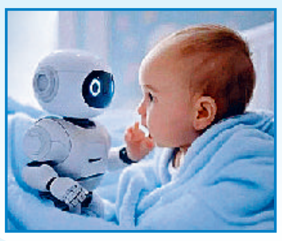

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

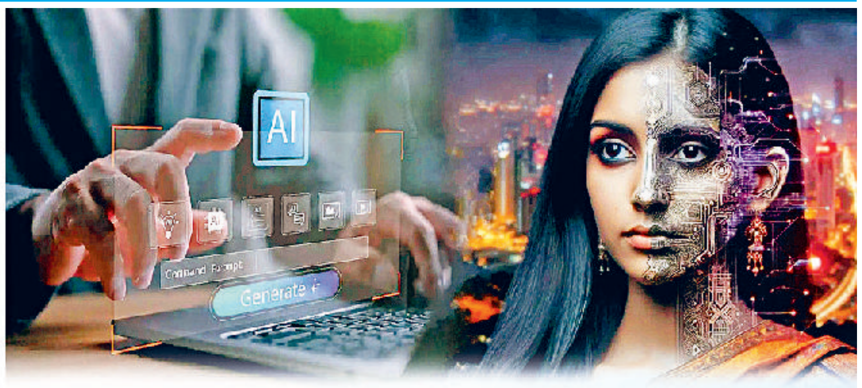

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयास: डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूज: डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारी: किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्णा बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

अमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों में चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, केंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लोगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामद्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबु' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबु डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडे: द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *